MT

Seat No. | | | | | | | |

2019 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - II

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 100**

	विभाग 1 - गद्य : 24 अंक	
उ.1	**(अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	**(8)**
(1)	(i) **निम्नलिखित गलत वाक्य सही करके फिर से लिखिए।** (1) रहमान ने लक्ष्मी को खाने के लिए चारा नहीं दिया था। (2) दुखी होकर रमजानी ने लक्ष्मी के लिए राशन लाने हेतु करामत को पैसे दिए।	**1**
	(ii) **उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों -** (1) रमजानी ने किसमें से बीस का एक नोट निकाला ? (2) सानी में मुँह कौन मारने लगी ?	**1**
(2)	(i) **किसने, किससे कहा ?** (1) रमजानी ने अपने पति करामत अली से कहा। (2) रमजानी ने अपने पति करामत अली से कहा।	**1**
	(ii) **कारण लिखिए।** (1) क्योंकि लक्ष्मी के लिए पुआल लाना था। (2) क्योंकि लक्ष्मी के पीठ पर डंडे से पड़े घाव के दाग कुछ हल्के पड़ गए थे।	**1**
(3)	(i) **परिच्छेद में से शब्द-युग्म छाँटकर लिखिए।** (1) दस - पंद्रह (2) दो - चार	**1**
	(ii) **विलोम शब्द लिखिए।** (1) बिक्री × खरीदी (2) माँगना × देना	**1**
(4)	यदि मैं करामत अली की जगह पर होता, तो बूढ़ी गाय को बेच या छोड़ देने की बात बिल्कुल नहीं करता; बल्कि उसकी ठीक से सेवा करता। उसके लिए दिन में दो वक्त के लिए सानी का प्रबंध करता। इसके लिए परिवार के अन्य सदस्यों को भी राजी कर लेता। भले ही मेरे पास पैसों की कमी होती, फिर भी सर्वप्रथम मैं गाय के लिए चारा जुटाने की व्यवस्था करता। यदि वह बीमार पड़ती, तो डॉक्टर को बुलाकर उसका इलाज करवाता। इस प्रकार मैं मानव धर्म का पालन कर गाय की सुरक्षा का प्रबंध करता।	**2**

उ.1	**(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	**(8)**
(1)	**कारण लिखिए।**	
	(i) क्योंकि उनके पिता ने उन्हें सामाजिक आंदोलनों में जाने से कभी नहीं रोका था।	**1**
	(ii) क्योंकि जवाहरलाल जी की माँ जिस मेडिकल कॉलेज में दाखिल थीं, उसी समय अमृतलाल जी का छोटा भाई भी उस मेडिकल कॉलेज में दाखिल था।	**1**
(2)	**संजाल पूर्ण कीजिए।**	**2**
	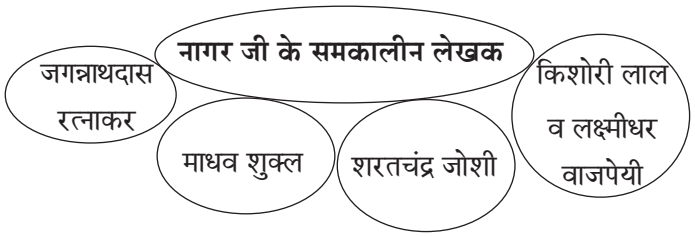	
(3)	**(i) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।**	**1**
	(1) देहात - गाँव (2) मुलाकात - भेंट	
	(ii) परिच्छेद में प्रयुक्त शब्द युग्म व विदेशी शब्द ढूँढ़कर लिखिए।	**1**
	(1) शब्द-युग्म - आता-जाता, कौन-कौन, संपर्क-प्रभाव	
	(2) विदेशी शब्द - मेडिकल कॉलेज, जेल	
(4)	'सामाजिक आंदोलन एवं व्यक्ति विकास' इनका आपस में बहुत गहरा संबंध है। देश की आज़ादी से पहले कई प्रकार के सामाजिक आंदोलन हुए। इन सामाजिक आंदोलनों ने समाज में क्रांति स्थापित करने का कार्य किया था। लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर सामाजिक आंदोलनों की शक्ति बढ़ाई थी। सामाजिक आंदोलनों ने लोगों को इंसाफ के लिए लड़ने की प्रेरणा दी। लोगों को अच्छी-बुरी प्रथाओं से सतर्क बनाकर शिक्षा के लिए प्रेरित किया। इन्हीं सामाजिक आंदोलनों का प्रभाव देश के साहित्यकारों पर भी पड़ा। उन्होंने आंदोलनों से प्रेरणा लेकर भारत के उत्थान हेतु साहित्य की रचना की। इस प्रकार सामाजिक आंदोलन व्यक्ति विकास में सहायक सिद्ध हुए।	**2**
उ.1	**(इ) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	**(8)**
(1)	**आकृति पूर्ण कीजिए।**	
	(i) 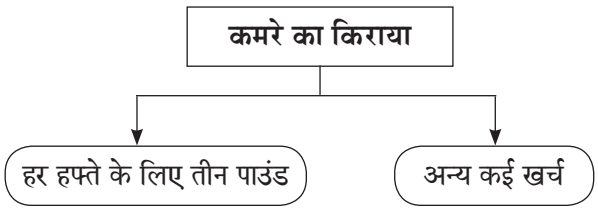	

(ii)

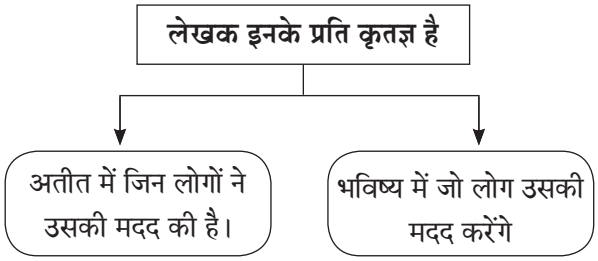

(2) **उत्तर लिखिए।** **2**

(i) इंग्लैंड

(ii) अपना कर्तव्य

(iii) सब कुछ के लिए उन्हें अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है और उनकी आमदनी कम है।

(iv) आत्मरक्षा

(3) **लिंग पहचानकर लिखिए।** **2**

(i) जेब - स्त्रीलिंग (iii) साहित्य - पुल्लिंग

(ii) दावा - पुल्लिंग (iv) सेवा - स्त्रीलिंग

(4) 'कृतज्ञता' का अर्थ है कृतज्ञ होने का भाव। यह एक महान गुण है। यह मनुष्य का एक ऐसा आभूषण है, जिसे धारण करने से हमारा भी भला होता है और दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। जब कोई व्यक्ति हमारे लिए कुछ करता है, तो उसके प्रति हमें कृतज्ञ होना चाहिए। ईश्वर ने हमें सब कुछ दे दिया है, अत: हमें उसके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। हम अपने प्रति कभी भी और किसी भी रूप में की गई सहायता के लिए आभार प्रकट करते हैं और कहते हैं कि 'हम आपके प्रति कृतज्ञ हैं और इसके बदले में जब भी अवसर आएगा, अवश्य ही सेवा करेंगे।' इसलिए कहा गया है कि 'कृतज्ञता मनुष्य की अनमोल निधि है।' **2**

विभाग 2 - पद्य : 18 अंक

उ.2 **(अ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(6)**

(1) **(i) संजाल पूर्ण कीजिए।** **1**

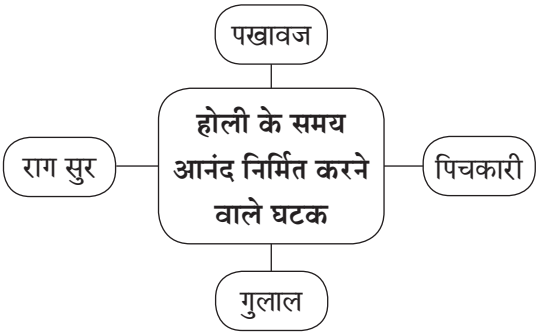

(2)	**(i) कारण लिखिए।** (1) क्योंकि आसमान में गुलाल उड़ रहा है। (2) क्योंकि कृष्ण उनका इस भवसागर से बेड़ा पार लगाने वाले हैं।	**1**
	(ii) समझकर लिखिए। (1) शील व संतोष रूपी केसर (2) बिना करताल और पखावज के	**2**
(3)	**निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** प्रस्तुत पद में मीराबाई कहती हैं- ''अब फागुन का महीना आया है। श्रीकृष्ण से अब मेरा जल्दी ही मिलन होनेवाला है। कृष्ण से मिलने की मेरी उत्सुकता अब बढ़ने लगी है। इसलिए मैं होली का त्योहार धूमधाम से मनाऊँगी। बिना करताल और पखावज बजे ही मेरी अंतरात्मा में झंकार उठ रही है। उस झंकार को सुनकर मेरी आत्मा कृष्ण से मिलने के लिए उत्सुक हो गई है। मैं बिना सुरों की सहायता से श्रेष्ठ राग गा रही हूँ। मेरा रोम-रोम रोमांचित हो गया है। मैंने शील व संतोष रूपी केसर घोलकर प्रेमरूपी पिचकारी बनाई है।''	**2**
उ.2	**(आ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए:**	**(6)**
(1)	**अपनी गंध नही बेचूँगा**	
	(i) **रचनाकार का नाम**: बालकवि बैरागी	**1**
	(ii) **रचना का प्रकार** : गीत	**1**
	(iii) **पसंदीदा पंक्ति** : बिकने से बेहतर मर जाऊँ अपनी माटी में झर जाऊँ मन ने तन पर लगा दिया जो वो प्रतिबंध नहीं बेचूँगा।	**1**
	(iv) **पसंदीदा होने का कारण**: उपर्युक्त पंक्ति में फूल अपने स्वाभिमान और सम्मान के लिए मर जाना और मरकर मिट्टी में झर जाना अधिक पसंद करता है। वह इस निर्णय पर किसी भी कीमत पर अडिग रहना चाहता है। यदि व्यक्ति में सम्मान और स्वाभिमान की भावना न हो तो उसका जीवन निरर्थक होता है।	**2**
	(v) **कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा**: स्वाभिमान ही जीवन है। स्वाभिमान के बिना जीवन निरर्थक होता है। स्वाभिमान से व्यक्ति की सम्मान व प्रतिष्ठा बनी रहती है।	**1**
	अथवा	
(2)	**कृषक गान**	
	(i) **रचनाकार कवि का नाम -** कवि दिनेश भारद्वाज	**1**
	(ii) **रचना का प्रकार -** आधुनिक सामाजिक काव्य	**1**

	(iii) **पसंदीदा पंक्ति -** क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो, ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो, (विद्यार्थी अपनी पसंदीदा काव्य पंक्ति लिख सकते हैं।)	1
	(iv) **पसंदीदा होने का कारण -** उपर्युक्त पंक्ति में किसान की दुर्दशा का वर्णन किया गया है। परिस्थिति प्रतिकूल होने के बावजूद भी किसान कड़ी मेहनत करता है और बंजर जमीन को उपजाऊ बनाता है। अर्थात प्रतिकूल परिस्थिति में भी वह हिम्मत नहीं हारता बल्कि संघर्ष करता रहता है। इसलिए यह पंक्ति मुझे बेहद पसंद है।	2
	(v) **रचना से प्राप्त प्रेरणा -** किसान हमारे देश का अन्नदाता है, परंतु आज वह जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। हमारा यह कर्तव्य है कि हम सब भारतीय एकत्रित होकर किसान को उसका खोया सम्मान एवं प्रतिष्ठा स्थापित करके रचनात्मकता की ओर एक अभियान चलाएँ।	1
उ.2	**(इ) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	(6)
(1)	**उत्तर लिखिए।** (i) स्नेह (ii) प्यार	2
(2)	**आकृति में उत्तर लिखिए।** (i) अच्छा प्रयत्न यही है - जो गिरे हुए को उठा सके। (ii) यही अधोगति है - जो प्यार से किसी को उठा न पाए।	2
(3)	**पद्यांश की तीसरी और चौथी पंक्ति का संदेश लिखिए।** कवि भवानी प्रसाद मिश्र प्रेम की श्रेष्ठता प्रतिपादित करते हुए कहते हैं कि प्रेम द्वारा असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। हमारे जीवन में यदि अंधकार और नकारात्मक भाव हो, तो प्रेम के द्वारा उसे प्रकाशित किया जा सकता है। सकारात्मकता का भाव जाग सकता है। उसी प्रकार बाहरी समाज में निहित द्वेष, ईर्ष्या व नकारात्मकता को प्रेम के द्वारा सद्मार्ग पर लाया जा सकता है। कवि के मतानुसार प्रेम जीवन में सरलता, सहृदयता व मानवता का प्रतीक है।	2
	विभाग 3 - पूरक पठन : 8 अंक	
उ.3	**(अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।**	(4)
(1)	**आकृति पूर्ण कीजिए।** (i) कंप्यूटर — **इन्होंने लेखक को खरीदा है** — मोटर	

(ii)

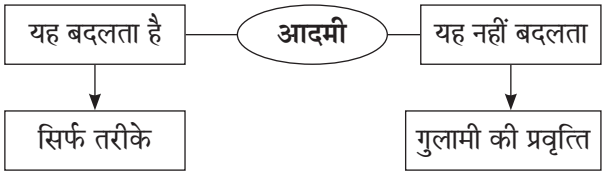

(2) आधुनिक सभ्यता एक सोच है, विचार है; जो व्यक्ति को इस दुनिया के प्रति जागरूक बनाता है, लेकिन मनुष्य इसे समझ नहीं पाता। इसका प्रभाव मनुष्य के जीवन पर पड़ा है। सुई से लेकर रोबोट तक नई-नई चीजों का आविष्कार हो गया है। मानव इन वस्तुओं का उपभोग ले रहा है। ये वस्तुएँ मनुष्य की जरूरतें पूरी करने के लिए होती हैं। इस तथ्य को इंसान भूल गया है और वह इन चीजों पर पूरी तरह से निर्भर हो गया है। इन चीजों के बिना वह रह नहीं सकता। आधुनिक सभ्यता मनुष्य पर इतनी हावी हो गई है कि वह पलभर के लिए भी इनसे अलग नहीं रह सकता। इसलिए कहा गया है कि आधुनिक सभ्यता के इस युग में व्यक्ति चीजों का गुलाम हो गया है। **2**

उ.3 (आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए। **1**

(1) गलत, झगड़ने से बातें और उलझ जाती हैं।

(2) सही।

(ii) निम्नलिखित अर्थ को स्पष्ट करने वाली पंक्तियाँ लिखिए। **1**

(1) यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में।

(2) बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के।

(2) स्त्री व पुरुष एक समान होते हैं। कोई एक-दूसरे से बड़ा या छोटा नहीं होता। समाज को चलाने का कार्य उनके द्‌वारा ही होता है। यदि उन दोनों में से किसी एक की कमी हो, तो समाज व देश नहीं चल सकता है। दोनों एक-दूसरे के कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। आज हर एक क्षेत्र में पुरुष के साथ स्त्री भी कार्य करती दिखाई दे रही है। दोनों मिलकर भारत देश के विकास के लिए कार्य करते हैं। दोनों की समाज में अपनी अहमियत होती है। दोनों का अस्तित्व समाज व देश के लिए अत्यावश्यक होता है। परिवार भी दोनों के आपसी सांमजस्य व सहयोग से ही चलता है। इसलिए कहा गया है स्त्री व पुरुष समाज के प्रमुख अंग है। **2**

विभाग 4 - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

उ.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए। **1**

सोना-चाँदी : द्रव्यवाचक संज्ञा महँगा : भाववाचक संज्ञा

(ii) निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए। **1**

मैं इसके पहले उसे मना करता।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

आगे : क्रियाविशेषण अव्यय

(ii) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **1**

वाक्य - पता नहीं उसके बाद क्या हुआ ?

(3) **काल परिवर्तन कीजिए।**

(i) सरकार एक ही टैक्स लगाएगी। **1**

(ii) आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं। **1**

(4) **तालिका पूर्ण लिखिए ।** **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
संतोष	सम् + तोष	व्यंजन संधि
यद्यपि	यदि + अपि	स्वर संधि

(5) (i) **रचना के आधार पर निम्न वाक्य के भेद पहचानिए।** **1**

हर ओर से अब वह निराश हो गया था। (सरल वाक्य)

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए** **1**

क्या मानू इतना ही बोल सकी ?

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

गला फाड़ना : जोर-जोर-से चिल्लाना

वाक्य: राम **गला फाड़कर** सब्जियाँ बेच रहा था।

(ii) **निम्न वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं **काँप उठा।**

(7) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।**

(i) घर में तख्त के रखे जाने की आवाज आती है। **1**

(ii) लड़के की तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कुछ कहना चाहा। **1**

(8) **निम्न वाक्य में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**

मुख्य क्रिया - हड़बड़ाना सहायक क्रिया - उठे (उठना)

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
(i)	बैठना	बिठाना	बिठवाना
(ii)	लिखना	लिखाना	लिखवाना

(10) **निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए।** **1**

''ओह! कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है।''

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।** **1**

मानू रेल **से** ससुराल चली गई।

से - करण कारक

विभाग 5 - उपयोजित लेखन: 32 अंक

उ.5 (अ) (1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। **5**

(i)

दिनांक - ५ मार्च, २०१८

सेवा में,

श्रीमान व्यवस्थापक जी,

सोनिया औषधि भंडार,

शहीद चौक, जालंधर।

विषय : औषधियाँ मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र।

माननीय महोदय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ। मुझे जिन औषधियों की आवश्यकता होती है, वे सभी आपके यहाँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

पिछले तीन-चार सालों से मैं आपके यहाँ से औषधियाँ खरीद रहा हूँ। कुछ दिन पहले ही मैंने आपके औषधि भंडार से कुछ दवाएँ मँगवाई थीं। उन दवाओं के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है। कुछ और आयुर्वेदिक औषधियाँ मँगवाना चाहता हूँ। पाँच सौ रुपए का पोस्टल ऑर्डर पत्र के साथ भेज रहा हूँ।

दवाओं की सूची इस प्रकार है :

क्रम संख्या	औषधि का नाम	मात्रा
१	कायम चूर्ण	३०० ग्राम
२	च्यवनप्राश	८०० ग्राम
३	द्राक्षासव	५ बोतल
४	शहद	१ बोतल

आशा है कि आप शीघ्र ही औषधियाँ भेजने की कृपा करेंगे।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।

धन्यवाद!

भवदीय,

रमेश पांडे।

	नाम : रमेश पांडे पता : अमृतनगर, फिरोजपुर। ई-मेल आईडी : ramesh@gmail.com	
	अथवा	
(ii)	दिनांक - मार्च २५, २०१८ प्रिय पंकज स्नेह! आशा है स्वस्थ होगे। मैं भी यहाँ कुशल हूँ। मित्र! इस बार मेरा जन्म-दिन धूमधाम से मनाने की तैयारियाँ है। अत: तुम २० मार्च की तिथि मेरे लिए सुरक्षित कर लो। तुम १९ मार्च की रात तक पहुँच जाओ, ताकि सभी कार्यक्रमों में शामिल हो सको। कार्यक्रम इस प्रकार है - प्रात: ७ बजे हवन-यज्ञ होगा। हवन के बाद धार्मिक प्रवचन होंगे। इसके बाद मित्र-मंडली रंगारंग कार्यक्रम पेश करेगी। इसके बाद सहभोज होगा। माताजी व पिताजी को चरण-स्पर्श। १९ मार्च को आना न भूलना। तुम्हारा, राकेश नाम : राकेश कुमार पता : ६३७-ए, सेक्टर-१२, इस्पात नगर, बोकारो। ई-मेल आईडी : rakesh123@gmail.com	5
(2)	(i) कौन विश्वबंधु होता है? (ii) परोपकार मनुष्य के लिए कैसा जादू है? (iii) परोपकारी मनुष्य किसके समान होता है? (iv) परोपकार से मनुष्य को क्या मिलता है? (v) मनुष्य के सभी गुणों का मूल क्या है?	5
उ.5	**(आ)**	
(1)	**वृत्तांत लेखन ।** दिनांक ४ दिसंबर, २०१८ : मुंबई : कला विद्यालय, मुंबई में 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध समाजसेवी, नोबेल पुरस्कार प्राप्त श्रीमान कैलाश सत्यार्थी जी को आमंत्रित किया गया था। सुबह ९.३० बजे कार्यक्रम शुरू हुआ था। विद्यालय के विद्यार्थी प्रमुख कुमार विजय ने पुष्पगुच्छ भेंट करके मुख्य अतिथि महोदय जी का सत्कार किया। स्कूल के प्रधानाचार्य श्री योगेश दत्त जी ने 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' के अवसर पर सभी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष ३ दिसंबर को यह दिन संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। अतिथि महोदय जी ने भी अपने वक्तव्य में 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' का महत्त्व बताया। उन्होंने दिव्यांगों के प्रति सामाजिक भेदभाव को मिटाने और उनके जीवन को और बेहतर	5

बनाने के लिए सभी को एकत्रित होकर इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 'दिव्यांग' इस विषय पर भावनात्मक नाटक का आयोजन कर सभी को भावविह्वल कर दिया। विद्यालय के कुछ छात्रों ने नृत्य व नाटिका प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाह-वाही बटोरी कक्षा दसवीं की एक छात्रा ने अपने भाषण में इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर समाज में दिव्यांगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन को बड़े पैमाने पर मनाने के लिए सभी को एकत्रित होने की बात को प्रभावपूर्ण तरीके प्रस्तुत किया। अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक जी ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए सबका धन्यवाद किया। इस प्रकार सुबह ११ बजे कार्यक्रम का समापन हुआ।

(2) निम्न मुद्दों के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

चाहिए ..... चाहिए ..... चाहिए .....

दादर सेंट्रल के डिपार्टमेंटल स्टोर के लिए
सेल्स के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

शैक्षणिक पात्रता	**आयु सीमा**	**आवश्यक कागजात**
स्नातक	२१ से २५ तक	आधार कार्ड व पैन कार्ड कॉपी

❖ कार्य करने की कालावधि ❖

सुबह : ९ बजे से ३ बजे तक

या

दोपहर ३ बजे से रात १० बजे तक

❖ संपर्क ❖

प्रबंधक : डिपार्टमेंटल स्टोर
दादर सेंट्रल
मुंबई : ४०० ०२०

मोबाइल नंबर : ९९८७६५४३२
ई-मेल आई. डी. : deptdadar91@gmail.com

(3) जैसे को तैसा **5**

एक घने जंगल में कई प्रकार के पशु-पक्षी आराम से रहते थे। वहीं तालाब के पास एक सारस भी रहता था। उसकी टाँगे और चोंच पतली और बड़ी लंबी थीं। वह मछलियों को अपनी चोंच में पकड़ता और खाता था।

एक दिन एक धूर्त लोमड़ी के यहाँ से सारस को भोजन का निमंत्रण मिला। सारस बड़ा ही प्रसन्न हुआ।

लोमड़ी के घर भोजन में स्वादिष्ट खीर बनाई गई थी और उसे थाली में परोसा गया था। सारस की चोंच लंबी थी, उसे खीर खाने में बड़ी मुश्किल हुई और वह कुछ न खा सका।

यह सब देखकर सारस कुछ न बोला और मन ही मन इसका बदला लेने की बात सोचता हुआ घर लौटा। कई दिनों के बाद एक दिन उसे मौका मिल ही गया।

सारस ने लोमड़ी को भोजन का निमंत्रण दिया। वह बहुत खुश हो गई और सारस के यहाँ पहुँच गई।

सारस ने स्वादिष्ट खीर बनाई और सुराही में खाने के लिए परोसी। सुराही की गर्दन का आकार पतला था उसमें उसका मुँह नहीं जा सकता था। अत: लोमड़ी कुछ न खा सकी और उसे भूखा रहना पड़ा और वह बहुत शर्मिंदा हुई।

सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि किसी के साथ बुरा करके उससे अपने लिए भले ही उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

उ.5 (1) (इ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए । **7**

विज्ञान के चमत्कार

विज्ञान वह व्यवस्थित ज्ञान है; जो विचार, अवलोकन, अध्ययन और प्रयोग से मिलता है। विज्ञान यानी किसी भी विषय का क्रमबद्ध ज्ञान। आज का हमारा युग विज्ञान का युग है। आज चारों ओर विज्ञान का बोलबाला है। छोटी सुई से लेकर हवाई जहाज तक सारी चीजें विज्ञान की ही देन हैं। विज्ञान के कारण मनुष्य का जीवन सुखकर एवं खुशहाल हो गया है।

विज्ञान के चमत्कारों की यदि बात करें तो चारों और व्याप्त सारी चीजें विज्ञान की ही देन हैं। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जैसे कि विद्या, उद्योग, अनुसंधान, तकनीकी, संदेश वहन, यातायात, कंप्यूटर, चिकित्सा आदि में विज्ञान ही विज्ञान दिखाई देता है। आखिर, सच ही कहा गया है 'जय विज्ञान।'

विद्युत विज्ञान का ही अद्भुत वरदान है। इसने इंसान के जीवन से अंधकार मिटा दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान में हुई प्रगति के कारण मनुष्य चाँद पर जा पहुंचा है। अब वह मंगल पर जाने की तैयारी कर रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान ने सफलता हासिल कर ली है। अब असाध्य से असाध्य रोगों का भी निदान आसान हो गया है। हृदय प्रत्यारोपण एवं नेत्र प्रत्यारोपण आसानी से होने लगे हैं। कैंसर जैसी भयानक बीमारी का इलाज आसान हो गया है। आज विज्ञान ने अंधे को आँखें दी हैं, बहरे को कान दिए हैं, गूँगे को वाणी दी है, दिव्यांग को शारीरिक अवयव दिए हैं। विज्ञान के कारण नाभिकीय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ने लगा है। इस ऊर्जा का सकारात्मक कामों के लिए उपयोग हो रहा है। विज्ञान के कारण यातायात के साधन सुलभ हो गए हैं। आज हम कुछ घंटों में अमरीका जा सकते हैं। संदेश वहन के साधनों में भी प्रगति हो गई है। मोबाइल, फेसबुक, गूगल आदि ने संपूर्ण दुनिया को एक-दूसरे के करीब लाकर रख दिया है। आज हमारा देश विज्ञान के कारण कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है। विज्ञान का और एक बड़ा चमत्कार है 'मुद्रण यंत्रों का आविष्कार।' मुद्रण यंत्रों के आविष्कार ने पुस्तकों का निर्माण किया है। इस कारण ज्ञान का चारों ओर प्रचार व प्रसार हुआ है। हमारे दैनंदिन जीवन में भोजन पकाने से लेकर अन्य सारी सुख-सुविधाओं का निर्माण विज्ञान के कारण ही सुलभ हुआ है। इसलिए आज विज्ञान कामधेनु गाय की तरह मनुष्य की सारी इच्छाएँ पूर्ण कर रहा है। सच ही कहा गया है -

आज की दुनिया विचित्र नवीन
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि-विद्युत-भाप
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान
लाँघ सकता नर सरित-गिरि-सिंधु एक समान।

(2) **जल है तो कल है।** 7

जल ही जीवन है। जल मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग है। अन्न के बिना व्यक्ति १५ से ३० दिनों तक जीवित रह सकता है लेकिन जल के बिना व्यक्ति ३ से ४ दिन से ज्यादा जीवित नहीं रह सकता। जल के बिना धरती पर मानवीय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

प्रकृति एवं प्राणियों को भी जीवन जीने के लिए जल की आवश्यकता होती है। खेती, उद्योग आदि के लिए भी जल की आवश्यकता होती है। घर बनाने से लेकर मोटर गाड़ी चलाने तक सभी चीजों में जल की आवश्यक होती है। वर्तमान युग में जनसंख्या वृद्धि बहुत तेज गति से हो रही है। धरती पर प्रदूषण बढ़ रहा है। जल के प्राकृतिक स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। पानी की मात्रा में कमी हो रही है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन लोगों को पीने के लिए पानी भी नहीं मिलेगा। इससे लोगों का जीवन संकट में पड़ जाएगा। देश के कई भागों में ठीक से वर्षा नहीं हो रही है। इस कारण अकाल की स्थिति निर्माण होती है। ऐसे में खेती के लिए जरूरी पानी नहीं मिल पाता और इससे फसल की उपज काफी कम होती है। इस कारण अनाज के दामों में वृद्धि हो रही है।

जल है तो कल है। जल के कारण लोग घर का सारा काम कर सकते हैं। खाना बना सकते हैं और कपड़े धो सकते हैं। स्नान कर सकते हैं और पेड़-पौधों को पानी दे सकते हैं। अगर जल को यूँ ही बर्बाद किया गया तो वह दिन दूर नहीं है जब पीने के पानी के लिए लोग आपस में लड़ेंगे। यदि पानी की कमी हुई तो वह काफी महँगे दामों में बिकेगा।

ध्यान रहे कि जल व्यक्ति-जीवन के प्रत्येक पल में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए उसकी बचत करना बहुत ही आवश्यक है।

❖❖❖